"कोई महिलायें बुरी नहीं हैं, सिर्फ कानून बुरे हैं"

यौन कर्मियों के अधिकार महिला अधिकार हैं

महिलाओं के अधिकारों और जेंडर समानता हासिल करने की लड़ाई के लिये यौन कर्मियों के अधिकार केंद्रीय हैं। फिर भी, इस बात पर असहमति बनी हुई है कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाये कि सेक्स उद्योग में महिलायें हिंसा और भेदभाव से मुक्त हों।

"हम असमानता को दोहराते रहते हैं क्योंकि हम जो थोड़ा आगे बढ़ पाये हैं हम उसे खोने से डरते हैं। लेकिन अगर यौन कर्मियों के पास अधिकार नहीं हैं तो हमारे पास महिलाओं के अधिकार भी नहीं हो सकते, क्योंकि यौन कर्मी महिलायें भी हैं। (यौन कर्मी के नेतृत्व वाला संगठन, ब्राजील)।

मिथक	तथ्य
नारीवादी यौन कर्मियों के अधिकारों का समर्थन नहीं कर सकते हैं।	दुनियाभर की नारीवादी सामूहिक संस्थाएं और संगठन यौन कर्मियों के अधिकारों और यौन कार्य के गैर–अपराधीकरण करने के आह्वान का समर्थन करते हैं।

इनमें से कुछ निम्न हैं:
फेमनेट / FEMNET (केन्या); ग्लोबल अलाएंस अगेन्स्ट ट्रैफिकिंग इन वुमेन (थाईलैंड); इंटरनेशनल कम्यूनिटी ऑफ वुमेन लिविंग विद एचआईवी (ग्लोबल); इंटरनेशनल वुमेन्स हैल्थ कोअलिशन (यूएस); वुमेन्स राइट्स एक्शन वॉच एशिया पेसिफिक (मलेशिया); वुमेन्स ग्लोबल नेटवर्क फॉर रिप्रोडक्टिव राइट्स (फिलीपींस)।

कोई भी यौन कार्य मर्जी से नहीं चुनता।

चयन का अधिकार हमेशा सीमित, सापेक्ष और प्रासंगिक होती है। दुनियाभर में ज्यादातर लोग जीवित रहने के लिये पैसे कमाने के लिये काम करते हैं। यदि आप गरीब हैं, अष्वेत व्यक्ति हैं, एक महिला हैं, ट्रांस और / या जेंडर की अवधारणा में ना बंधने वाले (उभयलिंगी) व्यक्ति हैं, तो आपके पास बहुत कम विकल्प होने की संभावना है। चाहे आप घरेलू काम, यौन कार्य, खेती का काम, ऑफिस में काम, फैक्ट्री में काम, या कुछ और करना चाहें, आपकी पसंद को महत्व दिया जाना चाहिए और आपके अधिकारों का सम्मान, रक्षा, प्रचार किया जाना चाहिए और उन्हें पूरा किया जाना चाहिए।

यौन कर्मी खुद को बेचते हैं।

यौन कर्मी खुद को नहीं बेच रहे हैं, वे एक ऐसी सेवा बेच रहे हैं जो समय और दायरे में सीमित है।

यौन कार्य स्वाभाविक रूप से हिंसक है।

दो सहमति वाले वयस्कों के बीच यौन कार्य स्वाभाविक रूप से हिंसक नहीं है। हालाँकि, इसका अपराधीकरण, यौन कर्मियों के खिलाफ भेदभाव और सामाजिक कलंक, हिंसा और अन्य मानव अधिकारों के उल्लंघन को जन्म देता है।

सभी यौन कर्मियों के साथ कभी ना कभी दुर्व्यवहार किया गया है।

सभी उद्योगों में ऐसी महिलायें हैं जिन्होंने दुर्व्यवहार का अनुभव किया है क्योंकि वैश्विक जेंडर–आधारित हिंसा के आंकड़े निंदनीय हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. का अनुमान है कि 3 में से 1 महिला अपने जीवनकाल में हिंसा का अनुभव करेगी। यौन कर्मियों को भी अन्य व्यवसायों में महिलाओं की तरह सम्मान के साथ व्यवहार पाने और न्याय का सहारा लेने का अधिकार है।

खरीदारों और प्रबंधकों को अपराधी बनाना यौन कार्य के लिये उपयुक्त नारीवादी प्रतिक्रिया है।

महिलाओं के शोषण को समाप्त करने के समाधान के रूप में "एंड डिमांड" मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है। हालाँकि, सबूत बताते हैं कि इस संदर्भ में काम करने वाले यौन कर्मी कम सुरक्षित हैं। यौन कार्य के किसी भी पहलू का अपराधीकरण इस उद्योग को गुप्त होने के लिये मजबूर कर देता है और स्वास्थ्य, सामाजिक और न्याय सेवाओं की पहुँच से बाहर कर देता है।

यौन कार्य के गैर अपराधीकरण से महिलाओं और बच्चों के साथ अधिक दुर्व्यवहार, तस्करी और शोषण होगा।

इस तर्क का समर्थन करने के लिये कोई पुख्ता सबूत नहीं है। इसके बजाय, गैर–अपराधीकरण यौन कर्मियों और ग्राहकों को शोषण और तस्करी के मामलों की रिपोर्ट करने की क्षमता देता है क्योंकि वे ऐसा करने के लिये सबसे अच्छी स्थिति में हैं। मानव तस्करी के खिलाफ कानून पहले से ही अधिकांश देशों में मौजूद हैं और उन्हें अधिकार–पुष्टि करने वाले तरीके से लागू किया जाना चाहिए, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। इस प्रकार यौन कार्य और मानव तस्करी अलग–अलग मुद्दे हैं और दोनों को मिलाना यौन कर्मियों के स्वास्थ्य और जीवन के लिये खतरनाक है।

यौन कर्मियों के अधिकारों का समर्थन करने के लिये नारीवादी कारण

अंतरक्षेत्रीय (इंटरसेक्शनल) नारीवाद की पैरवी करना । नारीवादी होने के नाते, उन समुदायों का समर्थन करना महत्वपूर्ण है जो अपने अधिकारों की पैरवी कर रहे हैं और अंतरक्षेत्रीय (इंटरसेक्षनल) नारीवाद को आगे बढ़ा रहे हैं।

"यौन कर्मी अन्य सभी महिलाओं के साथ आपसी एकजुटता में हमारी शारीरिक स्वायत्तता में हस्तक्षेप के खिलाफ हड़ताल करते हैं; विकलांग, ट्रांसजेंडर, लेसबियन, माताओं (एकल माताओं सहित), क्वीयर, अश्वेत महिलाओं, कैद की गई महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, युवा और बूढ़ी महिलाओं जो इसी तरह लड़ते हैं जैसे हम अपनी शारीरिक स्वायत्तता का दावा करने के लिये लड़ते हैं, उन सभी के साथ हड़ताल करते हैं। हम अश्वेत महिलाओं, कैद की गई महिलाओं, प्रवासी महिलाओं, भीख मांगने वाली महिलाओं, नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं, ट्रांसजेंडर महिलाओं, शरण चाहने वाली महिलाओं, मुस्लिम महिलाओं और यौन कर्मियों की तरह अन्य सभी महिलाओं जिन्हें कानून प्रवर्तन द्वारा कलंकित किया जाता है, जिनके साथ भेदभाव किया जाता है और जिन्हें सताया जाता है, उनके साथ एकजुटता से हड़ताल करते हैं। "(एम्पॉवर फाउंडेशन एंड इंग्लिश कलेक्टिव ऑफ प्रोस्टीट्यूट)

शारीरिक स्वायत्तता के लिये समर्थन। एक मुख्य नारीवादी मान्यता यह है कि महिलाओं को अपने शरीर और यौन व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए। इसका मतलब है कि जब एक वयस्क महिला यौन कार्य में संलग्न होने का चुनाव करती है, तो उसके निर्णय का सम्मान किया जाना चाहिए और उसके मानव अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए और उनको बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

महिलाओं की गरीबी की व्यापक प्रकृति को दृश्यमान बनायें । महिलाओं के गरीब होने, अनिश्चित, कम वेतन वाले श्रम में नियोजित होने और भूमि, ऋण और शिक्षा तक उनकी पहुँच कम होने की संभावना अधिक होती है। जब नारीवादी यौन कार्य को काम के रूप में पहचानते हैं, तो वे यौन कार्य को, खेत या घरेलू काम की तरह पहचानते हैं, अनिश्चित श्रम के रूप में पहचानते हैं और उन उद्योगों में महिलाओं की श्रम अधिकारों तक पहुँच आवश्यक है।

महिला द्वेष को चुनौती दें। यौन कर्मी सार्वजनिक और रात्रिकालीन स्थानों पर मौजूद होते हैं और अक्सर 'महिलाओं को कैसा दिखना चाहिए/ कैसे व्यवहार करना चाहिए / कैसे कपड़े पहनने चाहिए" के बारे में पितृसत्तात्मक रूढ़िवादिता का उल्लंघन करते हैं। यौन कर्मी भी कुछ ऐसी चीज के लिये उचित मुआवजे की मांग करते हैं जो परंपरागत रूप से महिलाओं पर भावनात्मक और शारीरिक श्रम दोनों के रूप में थोपा जाता है।

"जब नारीवादी यौन कार्य का विरोध करते हैं, तो वे यौन कर्मियों की मुक्ति को महिला मुक्ति के रूप में नकारते हैं। आधुनिक समाज अभी भी एक पितृसत्ता है – घरेलू क्षेत्र में महिलाओं का श्रम गैर–मान्यता प्राप्त और अवैतनिक है, कई महिलायें आर्थिक रूप से अपने पतियों पर निर्भर हैं, और कुछ को अभी भी स्वतंत्र रूप से आने जाने और कार्य करने के लिये पुरुषों से अनुमति मांगने की आवश्यकता होती है" (यौन कर्मी, इटली)

जेंडर आधारित हिंसा, श्रम शोषण और तस्करी को कम करना। यौन कर्मी जो सशक्त हैं और गिरफ्तारी, सामाजिक कलंक और भेदभाव के डर से मुक्त अपने अधिकारों का उपयोग करने में सक्षम हैं, वे हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण के मामलों की रिपोर्ट करने में बेहतर रूप से सक्षम हैं।

महिलाओं की सुनो।

"हम चाहते हैं कि नारीवादी आंदोलन हमें ताकतों के लिये दंडित करना बंद कर दे, हमें हमारे दर्द के लिये पुरस्कृत करना बंद कर दे, हमारी ज़रूरतों के नाम पर विशेषाधिकार प्राप्त करना बंद कर दे, और जब हम बोलते हैं तो सुनें। हम अपने अधिकारों के बारे में बात करना जारी रखेंगे और आपको हमें सुनने की ज़रूरत है। यदि आप हमारे अनुभव को नकारते हैं, तो आप हमारे अस्तित्व को नकारते हैं।" (दि स्कारलेट अलायन्स)

महिला आंदोलन क्या कर सकते हैं?

- यौन कर्मियों को **सुनें और पहचानें** कि वे अपने जीवन के बारे में सबसे ज़्यादा जानते हैं। जेंडर समानता की लड़ाई में उन्हें अभिन्न भागीदार के रूप में शामिल करें और यौन कर्मियों के नेतृत्व वाले आंदोलनों के साथ सहयोग करके दृश्यता को प्रोत्साहित करें।
- जेंडर समानता की एक **समावेशी और अंतरक्षेत्रीय (इंटरसेक्शनल)** समझ का उपयोग करें जो महिलाओं की ज़रूरतों और अनुभवों में विविधता को पहचानती है और ऐसे नारीवाद के लिये लड़ती है जो कि यौन कर्मी–समावेशी और ट्रांसजेंडर–समावेशी है।
- यौन कर्मी के नेतृत्व वाले संगठनों के साथ **ज्ञान और संसाधनों को साझा करें,** मुख्य पैरवी स्थानों तक उनकी पहुँच की सुविधा प्रदान करें, विविध यौन कर्मियों की आवाज़ों के लिये मंच प्रदान करें, और सूचना और कौशल के आदान–प्रदान को बढ़ावा दें।
- **यौन कर्मियों के सबूतों को स्वीकार करें और पूरी तरह से गैर–अपराधीकरण के लिए अभियान चलायें।** सेक्स उद्योग के भीतर जिस तरह से अपराधीकरण और संरचनात्मक असमानताओं ने परिस्थितियों को आकार दिया है, उसके बारे में बढ़ते सबूतों को देखते हुये, यौन कार्य का पूर्ण गैर–अपराधीकरण करने का समय आ गया है और यह यौन कर्मियों की सुरक्षा और आत्मनिर्णय को सुनिश्चित करने का सर्वोत्तम तरीका है।

Levy, J (2014) "Criminalising the Purchase of Sex – Lessons from Sweden"; Prostitution Law Reform Committee (2008) "Report of the Prostitution Law Reform Committee on the operation of the Prostitution Reform Act of 2003"

count me IN! awid crea Red Umbrella Fund URGENT ACTION FUND AFRICA mamacash JASS JUST POWER